



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

PART II—Section 3—Sub-section (i)

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 297]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 18, 1990/आषाढ़ 27, 1912

No. 297]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 18, 1990/ASHADHA 27, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रचा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

रेल. संज्ञासूचक

(रेलवे बोर्ड)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1990

सा.का.नि. 646 (प्र).—केंद्रीय सरकार, रेल प्रधिसूचना, 1989 (1989 का 24) की धारा 60 की उपधारा (2) के खण्ड (ख) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और रेल यात्री (टिकटों का रद्दकरण तथा किरायों की वापसी) नियम, 1986 को, उन बातों को सिवाय, अधिभूत करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिभूत से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ: (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम रेल यात्री (टिकट रद्दकरण और किराए का प्रतिदाय) नियम, 1990 है।

(2) ये तारीख 1 सितम्बर, 1990 से प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

- (1) “लिपिक प्रभार” से ऐसा प्रभार अभिप्रेत है जो किराए के प्रतिदाय के लिए किए गए लिपिकीय कार्य की दायित्व उत्पन्न किया गया हो;
- (2) “गन्तव्य स्टेशन” से वह स्टेशन अभिप्रेत है जिसके लिए टिकट जारी किया गया है;
- (3) “किराया” में स्लीपर प्रभार अनुपूरक प्रभार और अधिभार सम्मिलित है किन्तु उनमें आरक्षण-फीस सम्मिलित नहीं है;
- (4) “आरक्षित टिकट” से ऐसा यात्रा टिकट अभिप्रेत है जिस पर किसी यात्रिका का सीट का आरक्षण किया गया है;
- (5) “आरक्षण फीस” से ऐसा प्रभार अभिप्रेत है जो किराए के प्रतिरिक्त रेल प्रशासन द्वारा किसी यात्रिका या सीट के आरक्षण के लिए उत्पन्न किया जाता है;
- (6) “रद्द आरक्षण टिकट” से ऐसा टिकट अभिप्रेत है जिस पर किसी यात्रिका के लिए यात्रा करने पर सीट आरक्षित की गई हो

और बाढ़ में आरक्षण के रद्दकरण पर, यदि कोई हो, शायिका दी जा सकती हो;

- (7) "स्टेशन" से कोई रेल स्टेशन अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत कोई आरक्षण कार्यालय या बुकिंग कार्यालय भी है;
- (8) "स्टेशन मास्टर" से अभिप्रेत है ऐसा कोई रेल कर्मचारी, चाहे वह किसी भी नाम से गात हो, जो किसी रेल स्टेशन का समग्र भारसाधक हो और इसके अन्तर्गत किसी स्टेशन पर किराए का प्रतिदाय मंजूर करने के लिए प्राधिकृत कोई अन्य रेल कर्मचारी भी है ;
- (9) "टिकट" से कोई एकतरफा यात्रा टिकट या वापसी यात्रा टिकट का कोई भाग अभिप्रेत है किन्तु इसके अन्तर्गत सीजन टिकट, हंडरेले पास टिकट और किसी आरक्षित सवारी बिस्बे या किसी पर्यटक कार/सैलून या किसी विशेष गाड़ी के लिए विशेष टिकट नहीं है।

3. स्टेशन मास्टर द्वारा किरायों का प्रतिदाय किया जाना—इन नियमों के अधीन किराए का प्रत्येक प्रतिदाय स्टेशन मास्टर द्वारा तब किया जाएगा जब ऐसे प्रतिदाय के लिए उसे कोई टिकट प्रस्तुत किया जाता है।

4. आरक्षण फीस का प्रतिदाय न किया जाना—इन नियमों में धम्यथा उपबंधित के सिवाय, किराए का प्रतिदाय करते समय, आरक्षण फीस का प्रतिदाय नहीं किया जाएगा।

5. अप्रयुक्त टिकट, जिन पर कोई आरक्षण नहीं किया गया है—यदि कोई टिकट, जिस पर किसी सीट के शायिका का आरक्षण नहीं किया गया है, उस गाड़ी के, जिसके लिए वह टिकट जारी किया गया है, प्रस्थान के वास्तविक समय से तीन घंटों के भीतर, या पूरे दिन के लिए, यदि ऐसा कोई टिकट जो उस दिन जाने वाली अंतिम गाड़ी के अंत्य स्टेशन के लिए प्रस्थान के वास्तविक समय से तीन घंटों के भीतर, रद्दकरण के लिए प्रस्तुत किया जाता है तो ऐसे प्रत्येक टिकट पर प्रति टिकट दो रुपए लिपिक प्रभार काट कर, किराए का प्रतिदाय किया जाएगा।

6. अप्रयुक्त टिकट, जिन पर आरक्षण किया गया है—(1) इन नियमों के उपबंधों के अधीन रहते हुए यदि किसी सीट या शायिका के आरक्षण वाला कोई टिकट, रद्दकरण के लिए प्रस्तुत किया जाता है तो किराए में से रद्दकरण प्रभारों की निम्नानुसार कटौती करके किराए का प्रतिदाय किया जाएगा—

(क) यदि टिकट, रेलगाड़ी के प्रस्थान के नियत समय से एक दिन से अधिक पहले (यात्रा के दिन को छोड़कर) रद्दकरण के लिए प्रस्तुत किया जाता है, तो वातानुकूलित पहले दर्जे के लिए 30 रुपए, वातानुकूलित, स्लीपर और अवातानुकूलित पहले दर्जे के लिए 20 रुपए, वातानुकूलित बुकीयान के लिए 15 रुपए और दूसरे दर्जे के लिए 10 रुपए की सपाट दर पर रद्दकरण प्रभार की कटौती की जाएगी।

(ख) यदि टिकट, रेलगाड़ी के प्रस्थान के नियत समय से छह घंटे पहले तक रद्दकरण के लिए प्रस्तुत किया जाता है तो रद्दकरण प्रभार किराए का 25 प्रतिशत होगा, किन्तु यह ऊपर बंध (क) में वर्णित न्यूनतम सपाट दर से कम नहीं होगा।

(ग) यदि टिकट रेलगाड़ी के प्रस्थान के नियत समय से छह घंटे पहले और गाड़ी के प्रस्थान के वास्तविक समय के पश्चात तीन घंटों तक रद्दकरण के लिए प्रस्तुत किया जाता है तो रद्दकरण प्रभार किराए का 50 प्रतिशत होगा, किन्तु यह ऊपर बंध (क) में वर्णित न्यूनतम सपाट दर से कम नहीं होगा;

(2) उपनियम (1) के बंध (ग) में वर्णित प्रबंध का प्रयोजन के पश्चात यदि कोई टिकट रद्दकरण के लिए प्रस्तुत किया जाता है तो उस पर कोई प्रतिदाय मंजूर नहीं किया जाएगा।

स्पष्टीकरण : इस नियम के प्रयोजन के लिए, किराए में आरक्षण शुल्क भी है।

7. अप्रयुक्त प्रतीक्षा सूचीबद्ध या रद्द आरक्षण टिकट—(1) उपनियम (2) के उपबंधों के अधीन रहते हुए, यदि कोई प्रतीक्षा सूचीबद्ध या रद्द आरक्षण टिकट रेलगाड़ी के प्रस्थान के वास्तविक समय के पश्चात 3 घंटों के भीतर रद्दकरण के लिए प्रस्तुत किया जाता है तो प्रति यात्री 2.00 रु. के लिपिक प्रभार की कटौती के सिवाय, उस पर कोई रद्दकरण प्रभार संवेय नहीं होगा।

(2) जहां रद्द आरक्षण या प्रतीक्षा सूचीबद्ध टिकट धारक को आरक्षण चार्टों को अंतिम रूप से तैयार करने तक किसी भी समय पुष्ट आरक्षण प्रदान कर दिया गया हो, जहां ऐसा टिकट आरक्षित टिकट माना जाएगा और उस पर रद्दकरण प्रभार नियम 6 के अनुसार संवेय होगा।

8. धागे की यात्रा के लिए आरक्षण की पुष्टि न होने पर रद्दकरण प्रभार—

(1) अब—

(क) आरंभिक यात्रा के लिए आरक्षण की पुष्टि हो गई है किन्तु धागे की यात्रा के लिए आरक्षण की पुष्टि नहीं हुई है तब यदि टिकट उस स्टेशन पर जिससे यात्रा आरम्भ होती है, एक दिन पहले (यात्रा आरम्भ करने के दिन को छोड़कर) रद्द कर दिया जाता है;

(ख) आरंभिक यात्रा के लिए आरक्षण की पुष्टि नहीं हुई है किन्तु धागे की यात्रा के लिए आरक्षण की पुष्टि हो गई है तब यदि टिकट उस स्टेशन पर जहां से यात्रा आरम्भ होती है, एक दिन पहले (यात्रा आरम्भ करने के दिन को छोड़कर) रद्द कर दिया जाता है।

तो कोई रद्दकरण प्रभार संवेय नहीं होगा और किराए के प्रतिशित आरक्षण फीस भी प्रतिवेय होगी।

(2) यदि उपनियम (1) में विहित समय-सीमा के भीतर टिकट रद्द नहीं किया जाता है तो रद्दकरण प्रभार नियम 6 के अनुसार संवेय होगा किन्तु यह यात्रा टिकट केवल उस भाग पर ही संवेय होगा जिस पर पुष्ट आरक्षण किया गया है।

9. आरक्षित टिकट पर यात्रा का पूर्व नियतन या मल्लबी किया जाना—(1) यदि कोई आरक्षित टिकट किसी अन्य रेलगाड़ी के उसी दर्जे में आरक्षण में परिवर्तन के लिए उसी दिन किसी भी समय या किसी पश्चातवर्ती दिन उस रेलगाड़ी के, जिसमें आरक्षण किया गया है, प्रस्थान के नियत समय से 24 घंटों पहले तक प्रस्तुत किया जाता है तो कोई रद्दकरण प्रभार संवेय नहीं होगा, किन्तु ऐसा उस रेलगाड़ी में, जिसके लिए परिवर्तन करने का अनुरोध किया गया है, स्थान की उपलब्धता के अधीन रहते हुए होगा।

(2) यदि कोई आरक्षित टिकट किसी अन्य रेलगाड़ी में उची दर्ज के आरक्षण में परिवर्तन के लिए उस रेलगाड़ी के, जिसके लिए आरक्षण अपेक्षित है, प्रस्थान के नियत समय से 24 घंटों पहले तक किसी पूर्वतर दिन की किसी समय प्रस्तुत किया जाता है तो कोई रद्दकरण प्रभार संवेय नहीं होगा, किन्तु ऐसा उस रेलगाड़ी में, जिसके लिए परिवर्तन करने का अनुरोध किया गया है, स्थान की उपलब्धता के अधीन रहते हुए होगा।

स्पष्टीकरण—ऐसी रेलगाड़ी के दर्जे के जिसके लिए मूलतः टिकट आरक्षित किया गया था, और उस रेलगाड़ी के दर्जे के, जिसके लिए पूर्व नियतन या मल्लबी करने की व्यवस्था की गई है, बीच किराए में अंतर की दशा में, आरक्षण में परिवर्तन, अंतर के यथास्थिति परिदाय या भुगतान के अधीन रहते हुए ही किया जाएगा ;

(3) उपनियम (1) या उपनियम (2) के अधीन यात्रा का पूर्व नियतन या मुस्तबी किया जाना केवल एक बार ही अनुज्ञेय होगा।

(4) यदि ऐसा टिकट, जिस पर उपनियम (1) या उपनियम (2) के अधीन यात्रा में परिवर्तन किया गया है, रद्द किया जाता है तो रद्दकरण प्रभार निम्नानुसार संदेय होगा, अर्थात्:—

(क) वह रद्दकरण प्रभार, जो उस समय देय होता यदि मूल प्रारक्षण तब रद्द किया जाता जब प्रारक्षण का पूर्व नियतन या मुस्तबी किया जाना अनुज्ञात किया गया था; और

(ख) वह रद्दकरण प्रभार जो परिवर्तित प्रारक्षण की बाबत देय हो मानो यह परिवर्तित प्रारक्षण कोई नया प्रारक्षण हो।

10 यात्रा का निम्नतर वर्ज से उच्चतर वर्ज में परिवर्तन—

(1) यदि किसी निम्नतर वर्ज के लिए प्रारक्षित टिकट का उसी रेलगाड़ी में और उसी दिन के लिए किसी उच्चतर वर्ज में प्रारक्षण या किसी वर्ज में सीट के लिए प्रारक्षित टिकट या उसी रेलगाड़ी में उसी दिन के लिए उसी वर्ज में शायिका की बाबत प्रारक्षण के लिए परिवर्तन करने का अनुरोध किया जाता है तो कोई रद्दकरण प्रभार संदेय नहीं होगा; किन्तु ऐसा स्थान की उपलब्धता के अधीन रहते हुए होगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन परिवर्तन केवल एक बार ही अनुज्ञेय होगा।

(3) यदि ऐसा टिकट जिस पर उपनियम (1) के अधीन प्रारक्षण में परिवर्तन किया गया है, रद्द किया जाता है तो रद्दकरण प्रभार निम्नानुसार संदेय होगा, अर्थात्:—

(क) वह रद्दकरण प्रभार, जो उस समय देय होता यदि मूल प्रारक्षण तब रद्द किया जाता जब प्रारक्षण में परिवर्तन किया जाना अनुज्ञात किया गया था; और

(ख) वह रद्दकरण प्रभार जो परिवर्तित प्रारक्षण की बाबत देय हो मानो यह परिवर्तित प्रारक्षण कोई नया प्रारक्षण हो।

11. रेलगाड़ियों के विलंब से चलने के कारण यात्रा का प्रारंभ न किया जाना—(1) यदि रेलगाड़ियों के तीन बंटों से अधिक विलंब से चलने के कारण यात्रा प्रारंभ नहीं की जाती है तो प्रारक्षित टिकट पर कोई रद्दकरण प्रभार संदेय नहीं होगा और किराए के प्रतिरिक्त प्रारक्षण कीस भी प्रतिदेय होगी:

परन्तु यह तब जब ऐसे टिकट रेलगाड़ी के प्रस्थान के वास्तविक समय से पहले प्रस्थानित कर दिए जाएं।

(2) जहाँ कोई यात्री जिसके पास टिकट है, चाहे उस टिकट पर प्रारक्षण कराया गया हो या नहीं और जिस रेलगाड़ी से उसने यात्रा की थी उसके विलम्ब से चलने के कारण किसी जंक्शन स्टेशन पर उससे संबंध रेलगाड़ी छूट जाती है वहाँ यात्रा न किए गए भाग के किराया का, रद्दकरण संबंधी कोई प्रभार प्रभारित किए बिना ऐसे जंक्शन स्टेशन पर, उसे प्रतिवाप कर दिया जाएगा यदि वह ऐसा टिकट रेलगाड़ी के जिससे उसने यात्रा की है, पहुंचने के वास्तविक समय के तीन बंटों के भीतर प्रतिवाप के लिए प्रस्थानित कर देता है।

12. रेल प्रशासन द्वारा स्थान देने में असमर्थ होने की वशा में टिकटों का रद्दकरण—जहाँ रेल प्रशासन ऐसे यात्रियों के लिए जिनके पास प्रारक्षित टिकट हैं, किसी भी कारणवश स्थान देने में समर्थ नहीं होता, वहाँ कोई रद्दकरण प्रभार संदेय नहीं होगा और किराए तथा प्रारक्षण शुल्क का प्रतिवाप किया जाएगा:

परन्तु यह तब जब ऐसे टिकट रेलगाड़ी के प्रस्थान के वास्तविक समय से 3 बंटों के भीतर प्रतिवाप के लिए प्रस्थानित कर दिए जाएं:

परन्तु यह और कि जब रेलगाड़ी बुर्बटना, टूट-फूट या बाढ़ जैसी प्राकृतिक परिस्थितियों के कारण रद्द कर दी जाती है तब टिकट रेलगाड़ी के प्रस्थान के नियत दिन को छोड़कर तीन दिन के भीतर प्रस्थानित कर दिया जाए।

13. प्राथमिक रूप से प्रयुक्त टिकट.—(1) इन नियमों में उपबंधित के सिवाय, ऐसे टिकट पर कोई प्रतिवाप नहीं किया जाएगा जिस पर प्राथमिक रूप से यात्रा की गई है।

(2) जहाँ कोई यात्री मार्ग में ही यात्रा समाप्त कर देता है, वहाँ स्टेशन मास्टर, टिकट प्रस्थानित करने के बखले में टिकट प्रारक को टिकट निक्षेप रसीद जारी करेगा और टिकट प्रारक, टिकट जारी करने वाले रेल के मुख्य बाणिज्य अधीक्षक (प्रतिवाप) को मूल रूप में टिकट निक्षेप रसीद संलग्न करते हुए किराए के प्रतिवाप के लिए प्रार्थना कर सकेगा।

14. रेलगाड़ी सेवा के अस्त व्यस्त होने के कारण यात्रा की बीच में समाप्ति:—(1) जब बुर्बटना, टूट-फूट, बाढ़ जैसी प्राकृतिक परिस्थितियों के कारण, रेल यात्रा मार्ग में ही अस्त व्यस्त हो जाए यात्रा किए गए भाग के लिए कोई कटौती किए बिना और रद्दकरण प्रभार के उद्ग्रहण के बिना यात्रा समाप्त होने वाले स्टेशन पर निम्नलिखित परिस्थितियों के अधीन किया जाएगा—

(क) जब रेल यानांतरण या मार्ग परिवर्तन की या प्रत्येक कोई व्यवस्था करके यात्री को गंतव्य स्टेशन तक युक्तियुक्त समय के भीतर पहुंचाने में असमर्थ हो; या

(ख) जब यात्री रेल बुर्बटना में अस्तव्यस्त हुआ हो और/या बुर्बटना में बाधित हुआ हो और अपनी यात्रा जारी न रख सकता हो; या

(ग) रेल बुर्बटना में यात्री की मृत्यु या क्षति की वशा में उसके निकट संबंधियों को यात्रा समाप्त करनी पड़ी हो।

(2) जब रेल प्रशासन यात्री को उसके गंतव्य स्थान तक किसी परिवर्तित मार्ग से होकर या यानांतरण की प्रथा अन्य कोई व्यवस्था करके ले जाने के लिए तत्पर हो और यात्री ऐसी वैकल्पिक व्यवस्था स्वीकार करने का इच्छुक न हो तो यात्रा न किए गए भाग का किराया उसे यात्रा समाप्त होने वाले स्टेशन पर रद्दकरण प्रभार लिए बिना वापस कर दिया जायेगा।

(3) जहाँ बख्त घावोलेन या रेल रोको के कारण रेल यात्रा मार्ग में ही अस्त व्यस्त हो जाए, वहाँ केवल यात्रा न किए गए भाग के किराए का रद्दकरण प्रभार का उद्ग्रहण किए बिना प्रतिवाप किया जाएगा।

15. वातानुकूलन उपकरण का खराब हो जाना: (1) जहाँ यात्रा में किसी भाग के दौरान वातानुकूलनों में काम न किया हो, वहाँ वातानुकूलित डिब्बे के लिए जारी किए टिकटों पर यात्रा के उस भाग के लिए प्रतिवाप निम्नलिखित आधार पर किया जाएगा, अर्थात्:—

(क) यदि टिकट वातानुकूलित पहले वर्जों के लिए है तो वातानुकूलित पहले वर्जों के किराए और पहले वर्जों के किराए के बीच का अन्तर;

(ख) यदि टिकट वातानुकूलित स्लीपर यान के लिए है तो वातानुकूलित स्लीपर वर्जों के किराए और दूसरे वर्जों के स्लीपर के किराए (हाक और एक्सप्रेस) के बीच का अन्तर;

(ग) यदि टिकट वातानुकूलित कुर्सीयान के लिए है, तो वातानुकूलन कुर्सीयान के किराए और दूसरे वर्जों के किराए (हाक और एक्सप्रेस) के बीच का अन्तर;

(2) उपनियम (1) के अधीन किराए के धारक का प्रतिवाय गंतव्य स्टेशन पर टिकट के साथ रेल गाड़ी के कण्ठद्वार या गाई या बल-टिकट परीक्षक का ऐसा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर किया जाएगा जिसमें टिकट संस्था, डिब्बे का संख्यांक और जिन स्टेशनों के बीच वातानुकूलन ने काम न किया हो, उसका विवरण दिया गया हो और उसे रेल गाड़ी पहुँचने के बीच बंटों के भीतर प्रस्तुत कर दिया गया हो।

16. जब यात्रियों को स्थान के अभाव में निम्नतर दर्जे में यात्रा करनी पड़ जाए :— यदि उच्चतर दर्जे के टिकट धारक को स्थान के अभाव में उस श्रेणी से जिसके लिए टिकट जारी किया गया है निम्नतर दर्जे में यात्रा करनी पड़ जाए तो जिस किराए का सदाय किया गया है उसके और उस दर्जे के, जिसमें उसने वस्तुतः यात्रा की है, किराए के बीच के अन्तर का प्रतिवाय यथास्थिति, गन्तव्य स्टेशन या आरंभिक स्टेशन पर किया जाएगा :

परन्तु गन्तव्य स्टेशन पर प्रतिवाय केवल गाड़ी के कण्ठद्वार या गाई या बल टिकट परीक्षक द्वारा ऐसा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर किया जाएगा, जिसमें उसने यह प्रमाणित किया हो कि टिकट धारक को स्थान न मिलने के कारण उस दर्जे से निम्नतर दर्जे में यात्रा करनी पड़ी है जिसके लिए उसे टिकट जारी किया गया था और टिकट गंतव्य स्टेशन पर गाड़ी पहुँचने के बीच बंटों के भीतर प्रस्तुत किया गया हो।

17. खोए हुए टिकट : (1) खोए हुए धपसा मिल न पा रहे टिकट धपसा उसके फलस्वरूप विये गये अधिक किराए के संबंध में कोई प्रतिवाय नहीं किया जाएगा।

(2) भारक्षित टिकट के खो जाने, मिल न पाने या विकृत हो जाने की वशा में, किराये के 25% के बराबर शास्ति का संवाय करने पर, रेल प्रशासन धपसा उसके द्वारा प्राधिकृत कोई व्यक्ति स्वविवेकानुसार खोए हुए या मिल न पा रहे भारक्षित टिकट या फट / बिगड़ भारक्षित टिकट के बचले मूल टिकट और भारक्षण टिकट का संख्यांक उपबधित करते हुए दूसरा पक्की टिकट (निःशुल्क) जारी कर सकेगा :

परन्तु पार्टी द्वारा बुक कराए गए डिब्बा टिकट या विशेष रेल गाड़ी टिकट की बाबत ऐसी शास्ति प्रतिभार और अन्य सभी प्रभारों सहित संगणित कुल किराए का 10 प्रतिशत होगी।

(3) यदि खोया हुआ या मिल न पा रहा टिकट बाद में मिल जाता है, और रेल गाड़ी के प्रस्थान करने से पहले दूसरे पक्की टिकट के साथ प्रस्तुत कर लिया जाता है तो संवाय की गई शास्ति में से पांच प्रतिशत या कम से कम पांच रुपये की कटौती करने शास्ति प्रभार का प्रतिवाय किया जा सकेगा। किन्तु यदि यात्रा भी नहीं की गई है तो मूल टिकट पर नियमानुसार रद्दकरण प्रभार अवधारित किया जाएगा।

18. रियायती और विशेषाधिकार टिकट आवेश टिकटों पर प्रतीक्षा सूचिबद्ध यात्रा : जब किसी व्यक्ति ने किसी रियायती आवेश या विशेषाधिकार टिकट आवेश को अन्तर्गत टिकट खरीदा हो और वह किसी रेलगाड़ी के लिए भारक्षण में प्रतीक्षा सूचिबद्ध हो तो वह उसी टिकट पर उसी तारीख को धपसा किसी अन्य तारीख को किसी अन्य रेलगाड़ी में रियायती किराए के लाभ से वंचित हुए बिना, भारक्षण कराने का हकदार होगा।

19. वापसी टिकटों का अप्रयुक्त भाग : (1) रियायती वापसी टिकटों के अप्रयुक्त भाग के लिए कोई प्रतिवाय नहीं किया जाएगा।

(2) जब वापसी टिकट बिना किसी रियायत के जारी किया गया हो तो उसे एक तरफ यात्रा के दो टिकटों के समान माना जाएगा और प्रतिवाय तबानुसार किया जाएगा।

20. यदि यात्रा नहीं की जाती है तो अप्रयुक्त टिकट के किराए तथा उसी टिकट पर बुक किए गए सामान की बाबत सामान टिकटों पर बचत किए गए भाड़े का प्रतिवाय :—

(1) स्टेशन मास्टर द्वारा सामान पर भाड़े प्रतिवाय निम्न प्रकार किया जाएगा :—

(क) यदि सामान उस स्टेशन पर जहाँ से यात्रा आरंभ होती है, वापस लिया जाता है। सामान टिकट रद्द कर दिया जाएगा और स्थान शुल्क प्रभारों, यदि कोई हों, की वसूली तथा रद्दकरण शुल्क पांच रुपये प्रति टिकट काटकर पहले से बचत किए गए भाड़े का प्रतिवाय कर दिया जाएगा। यात्रा टिकट पर इस भाषय का पुष्ठांकन कर दिया जाएगा।

(ख) यदि सामान उस स्टेशन बजन छूट के अनुसार अनुज्ञेय बजन पर से जहाँ से यात्रा आरंभ होती है, पहले ही भेजा जा चुका हो। भाड़ा प्रभार बचत किया जाएगा और इस भाषय की दिव्यणी यात्रा टिकट पर पुष्ठांकित की जाएगी।

(2) उस यात्रा टिकट को प्रस्तुत करने पर जिस पर सामान बुक किया गया है किराए का प्रतिवाय विहित रद्दकरण/तिथिक प्रभारों को काटकर तभी किया जाएगा जब अप्रयुक्त टिकट पर उपनियम (1) में निर्दिष्ट पुष्ठांकन किया गया हो।

21. टिकट जारी करने वाले स्टेशन से निम्न स्टेशन के स्टेशन मास्टर द्वारा प्रतिवाय :

(1) इन नियमों के अधीन उस स्टेशन का स्टेशन मास्टर, जहाँ से यात्रा आरंभ होती है, दूसरे स्टेशन द्वारा जारी अप्रयुक्त टिकट (भारक्षित रद्दकरण पर भारक्षण या प्रतीक्षा सूचिबद्ध) का प्रतिवाय कर सकेगा यदि प्रतिवाय प्रदान करने वाले स्टेशन पर संगणक द्वारा या भारक्षण भाई के निर्देशन द्वारा या टिकट जारी करने वाले स्टेशन से प्राप्त संदेशों द्वारा टिकट की मौलिकता प्रमाणित हो जाती है।

(2) जहाँ उपनियम (1) के अधीन टिकट की मौलिकता प्रमाणित न हो पाये, वहाँ टिकट जमा रसीद टिकट धारक को जारी की जाएगी जो प्रतिवाय के लिए टिकट जारी करने वाले रेलवे के मुख्य वाणिज्यिक प्रबन्धक (प्रतिवाय) को भावेदन कर सकेगा।

22. अन्य परिस्थितियों में प्रतिवाय के लिए भावेदन :—

इन नियमों में विहित परिस्थितियों से निम्न परिस्थितियों में या उस वशा में जहाँ इन नियमों के अधीन या अन्यथा विहित समय सीमा की समाप्ति के कारण स्टेशन पर प्रतिवाय अनुज्ञेय न हो, प्रतिवाय के लिए भावेदन उस रेल प्रशासन के जिसने टिकट जारी किया था मुख्य वाणिज्यिक प्रबन्धक (प्रतिवाय) को किया जा सकेगा।

[सं. टी. सी. 11/2003/89 नियम]

एस. के. मलिक, संयुक्त निदेशक (भार ए भार)  
(रेलवे बोर्ड)

## MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 18th July, 1990

G.S.R. 646 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with clause (b) of sub-section (2) of section 60 of the Railways Act, 1989 (24 of 1989) and in supersession of the Railway Passengers (cancellation of tickets and refund of fares) rules, 1986, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby makes the following rules, namely :

1. Short title and commencement :—(1) [These rules may be called the Railway Passengers (cancellation of tickets and refund of fares) Rules, 1990.]

(2) They shall come into force with effect from 1st September, 1990.

2. Definitions : In these rules, unless the context otherwise requires—

- (1) "Clerkage" means a charge levied for the clerical work rendered in the refund of fare;
- (2) "destination station" means the station for which the ticket has been issued;
- (3) "fare" includes sleeper charge, supplementary charge and surcharge but does not include reservation fee.
- (4) "reserved ticket" means a journey ticket on which a berth or seat has been reserved;
- (5) "reservation fee" means the charge, in addition to the fare, levied by the railway administration for the reservation of a berth or seat ;
- (6) "RAC ticket" means a ticket on which a seat has been reserved against requisition for a berth and a berth may be subsequently provided against cancellation, if any.
- (7) "Station" means a railway station and includes any reservation office or booking office;
- (8) "station master" means a railway employee by whatever name called, in overall charge of a railway station and includes any other railway employee authorised to grant refund of fare at a station;
- (9) "ticket" means a single journey ticket or any half of a return ticket and excludes season ticket, Indrail Pass ticket and special ticket for a reserved carriage or a tourist car/saloon, or a special train.

3. Station Master to refund fares—Every refund of fare under these rules shall be granted by the station master when a ticket is presented to him for such refund.

4. Reservation fee not to be refunded—Save as otherwise provided in these rules, while granting refund of fare, reservation fee shall not be refunded.

5. Unused tickets on which no reservation has been made—If a ticket on which no reservation of a seat or berth has been made, is presented for cancellation within three hours after the actual departure of the train for which the ticket is issued or for any ticket valid for the whole day, within three hours after the actual departure of the last train of the day for the destination station, refund of fare shall be made on every such ticket after deducting rupees two per ticket as clerkage.

6. Unused tickets on which reservation has been made

(1) Subject to the provisions of these rules, if a ticket on which reservation of a seat or berth has been made, is presented for cancellation, refund of fare shall be made after deducting cancellation charges from the fare as follows :—

- (a) If a ticket is presented for cancellation more than one day in advance of the scheduled departure of the train (excluding the day of journey), cancellation charge shall be deducted at a flat rate of Rs. 30 for airconditioned first class, Rs. 20 for airconditioned sleeper and non-airconditioned first class, Rs. 15 for airconditioned chair car and Rs. 10 for second class.
- (b) If a ticket is presented for cancellation upto six hours before the scheduled departure of the train, cancellation charge shall be 25 per cent of the fare subject to the minimum flat rate mentioned in clause (a) above.
- (c) If a ticket is presented for cancellation within six hours before the scheduled departure of the train and upto three hours after the actual departure of the train, cancellation charge shall be 50 per cent of the fare, subject to the minimum flat rate mentioned in clause (a) above.

(2) No refund shall be granted at the station if the ticket is surrendered for cancellation after the expiry of the period mentioned under clause (c) of sub-rule (1).

Explanation : For the purpose of this rule, fare includes reservation fee also.

7. Unused waitlisted or RAC ticket

(1) Subject to the provisions of sub-rule (2), no cancellation charge shall be payable if a waitlisted or RAC ticket is presented for cancellation within 3 hours after the actual departure of the train except for the deduction of a clerkage charge of Rs. 2/- per passenger.

(2) Where confirmed reservation has been provided to RAC or waitlisted ticket holder at any time upto the final preparation of reservation charts, such ticket shall be treated as a reserved ticket and cancellation charge shall be payable in accordance with rule 6.

8. Cancellation charge when onward reservation is not confirmed

(1) No cancellation charge shall be payable and reservation fee shall also be refundable—

- (a) when the reservation of the starting journey is confirmed but onward journey reservation is not confirmed, if the ticket is cancelled at the starting station one day in advance (excluding the day of the starting journey).
- (b) when the reservation of the starting journey is not confirmed but reservation has been confirmed for onward journey, if the ticket

is cancelled at the starting station one day in advance (excluding the day of the starting journey);

(2) If the ticket is not cancelled within the time limit prescribed in sub-rule (1), cancellation charge shall be payable in accordance with rule 6, but only on that part of the journey ticket on which confirmed reservation has been made.

#### 9. Preponement or postponement of journey on a reserved ticket

(1) No cancellation charge shall be payable if a reserved ticket is presented at any time for change of reservation in the same class in any other train on the same day or any subsequent day upto 24 hours before the scheduled departure of the train in which reservation has been made, subject to the availability of accommodation in the train in which change is requested for.

(2) No cancellation charge shall be payable if a reserved ticket is presented at any time of change of reservation in the same class in any other train on any earlier day upto 24 hours before the scheduled departure of the train in which the reservation is required, subject to the availability of accommodation in the train in which change is requested for.

Explanation : In case of difference in fare between the class of a train on which the ticket was originally reserved and the same class of a train on which preponement or post-ponement is provided, the change of reservation shall be made subject to refund or recovery of the difference, as the case may be.

(3) Preponement or postponement of journey under sub-rule (1) or sub-rule (2) shall be allowed only once.

(4) If the ticket on which the journey has altered under sub-rule (1) or sub-rule (2) is cancelled, cancellation charge shall be payable as follows, namely —

- (a) cancellation charge as would have been due if the original reservation had been cancelled at the time when the preponement or postponement of reservation was allowed, and
- (b) cancellation charge due in respect of the altered reservation as if this altered reservation is a fresh reservation.

#### 10. Change of journey from lower class to higher class

(1) No cancellation charge shall be payable if change of reservation is requested for, on a reserved ticket of lower class for a higher class on the same train and day or when reserved for a seat in a class for reservation for a berth in the same class on the same train and day subject to the availability of accommodation.

(2) The change referred to under sub-rule (1) shall be allowed only once.

(3) If the ticket on which the change of reservation has been allowed under sub-rule (1) is cancelled, cancellation charge shall be payable as follows, namely :—

- (a) cancellation charge as would have been due if the original reservation had been cancelled at the time when the change of reservation was allowed, and
- (b) cancellation charge due in respect of the altered reservation as if this altered reservation is a fresh reservation.

#### 11. Non-commencement of journey due to late running of trains

(1) No cancellation charge shall be payable on a reserved ticket and reservation fee shall also be refundable in addition to fare if the journey is not undertaken due to late running of trains by more than three hours provided that such tickets are surrendered before the actual departure of the train.

(2) Where a passenger holding a ticket, with or without reservation, misses connection at any junction station owing to late running of the train by which he had travelled, the fare for the untravelled portion shall be refunded without charging any cancellation charge at such junction station if he surrenders the ticket for such refund within three hours of the actual arrival of the train by which he has travelled.

#### 12. Cancellation of tickets where railway administration is unable to provide accommodation

Where a railway administration is not able to provide accommodation for any reason whatsoever to passengers holding reserved tickets, no cancellation charge is payable and refund of fare and reservation fee shall be granted.

Provided that such tickets are surrendered for refund within 3 hours from the actual departure of the train.

Provided further that when the train is cancelled due to unforeseen circumstances such as accidents, breaches or floods, the ticket is surrendered within 3 days excluding the scheduled day of the departure of the train.

#### 13. Partially used tickets

(1) Except as provided in these rules, no refund shall be granted at a station on a ticket on which part of the journey has been undertaken.

(2) Where a passenger terminates the journey enroute, a ticket deposit receipt shall be issued to the ticket holder by the Station Master of the station in lieu of surrender of the ticket and the ticket holder may apply to the Chief Commercial Superintendent (Refunds) of the ticket issuing railway enclosing the ticket deposit receipt in original for the refund of fare.

#### 14. Discontinuation of journey due to dislocation of train services

(1) When a train journey is dislocated enroute due to unforeseen circumstances, such as accidents, breaches and floods, fare and reservation fee for the entire booked journey without any deduction for the travelled portion and without levy of cancellation charge shall be refunded at the station at which the journey is terminated under the following circumstances—

- (a) when the railway is unable to carry the passenger to the destination station within a reasonable time by arranging transshipment or diversion or otherwise; or
- (b) when the passenger is involved in a railway accident and/or injured in the accident and does not continue his journey; or
- (c) in the case of death or injury to a passenger in a railway accident, the kith and kin of the passenger have to terminate the journey.

(2) Where the railway administration offers to carry the passenger to his destination station by any diverted route or by arranging transshipment or otherwise, and the passenger is not willing to avail of such an alternative arrangement, fare for the untravelled portion of the journey shall be refunded, without charging any cancellation charges, at the station at which the journey has been terminated.

(3) Where the train journey is dislocated enroute due to bandhs, agitations or rail roko, fare for the untravelled portion only shall be refunded without the levy of cancellation charges.

#### 15. Failure of airconditioning equipment

(1) Where the airconditioning has not worked for a portion of journey, refund on tickets issued for air-conditioned coaches shall be granted for such portion on the following basis, namely :—

- (a) if the ticket is for airconditioned first class, the difference between the airconditioned first class fare and first class fare;
- (b) if the ticket is for airconditioned sleeper coach, the difference between airconditioned sleeper class fare and second class sleeper fare (Mail and Express);
- (c) if the ticket is for airconditioned chair car, the difference between airconditioned chair car fare and second class fare (Mail and Express).

(2) The refund of difference of fare under sub-rule (1) shall be granted at the destination station on production of the ticket alongwith a certificate from the conductor or the guard or the travelling ticket examiner of the train giving particulars of the ticket number of the coach and stations between which the air-conditioning had not worked, and is presented within twenty hours of the arrival of the train.

#### 16. When passengers are made to travel in a lower class for want of accommodation

If the ticket holder of a higher class is made to travel in a lower class for want of accommodation in the class for which the ticket was issued, refund of the difference between the fare paid and the fare payable for the class in which it is actually used shall be granted at the destination station or at the originating station, as the case may be.

Provided that refund shall be granted at destination station only on production of a certificate from the conductor or the guard or the travelling ticket examiner of the train certifying that the holder of the ticket had to travel in a lower class for want of accommodation in the class for which it was issued and the ticket is presented within twenty hours of the arrival of the train at the destination station.

#### 17. Lost tickets

(1) No refund shall be granted either in respect of a lost or misplaced ticket or of the excess fare paid as a consequence thereof.

(2) In the case of loss misplacement or mutilation of a reserved ticket, railway administration or a person authorised by them may at its or his discretion, issue duplicate paper ticket (free of charge) indicating number of original ticket and reservation ticket on payment of a penalty equivalent to 25 per cent of the fare in lieu of the lost or misplaced reserved ticket or torn/mutilated reserved ticket

Provided that in respect of party coach ticket or a special train ticket such penalty shall be 10 per cent of the total fare calculated including surcharges and all other charges.

(3) In case the lost or misplaced ticket is traced later and presented alongwith the duplicate paper ticket, before the departure of the train, the penalty charges may be refunded subject to deduction of five per cent of the penalty paid or a minimum of rupees five. In case the journey is also not undertaken, the cancellation charges on the original ticket would be determined as provided under the rules.

#### 18. Wait-listed passengers on concession and privilege ticket order tickets

When any person has purchased a ticket on any concessional order or privilege ticket order, and is wait-listed for reservation in any train, he shall be entitled to avail of the same ticket for reservation in any other train on the same date or any other date, without losing the benefit of concessional fare.

#### 19. Unused portion of return tickets

(1) No refund shall be granted on the unused portion of the concessional return tickets.

(2) When a return ticket is issued without any concession, it shall be treated like two single journey tickets and the refund shall be granted accordingly.

#### 20. Refund of fare on unused tickets and freight realised on luggage tickets in respect of luggage booked on the same ticket in case of journey is not undertaken

(1) Refund of freight on luggage shall be granted by the station master as under :

- |   |   |
|---|---|
| (a) Luggage is withdrawn at starting station.             | Luggage ticket shall be cancelled and freight already collected refunded after recovery of wharfage charges, if any and deduction of cancellation charge of rupees five per luggage ticket. Journey ticket shall be endorsed to the effect. |
| (b) Luggage already despatched from the starting station. | Freight charges on weight admissible as free allowance shall be collected and remarks to this effect endorsed on the journey ticket.  |

(2) On production of journey ticket on which luggage has been booked the fare shall be refunded only if bearing the endorsement referred to in sub-rule (1) on the unused ticket after deducting the prescribed cancellation/ clerkage charges.

21. Refunds by Station Master of a station other than the station which issued the Ticket

(1) Refund under these rules may be granted by the Station Master of the station from where the journey is to commence on an unused ticket (reserved or RAC or waitlisted), issued from another station if the genuineness of the ticket is verified at the refund granting station through the computer or by reference to reservation charts or messages from the ticket issuing station.

(2) Where the genuineness of a ticket can not be verified under sub-rule (1) a ticket deposit receipt shall be issued to the ticket holder who may apply to the Chief Commercial Superintendent (Refunds) of the ticket issuing railway for refund.

22. Applications for refund in respect of other circumstances

Applications for refund in respect of circumstances other than those prescribed in these rules or where the refund is not admissible at the station on account of expiry of time limits prescribed under these rules or otherwise, may be made to the Chief Commercial Superintendent (Refunds) of the railway administration from which the ticket was issued.

[No. TCII/2003/89/Rules]

S. K. MALIK, Jt. Director, (RAR),  
(Railway Board)